समाज कार्य परामर्श में स्नातकोत्तर उपाधि

(एम.एस.डब्ल्यू. परामर्श द्वितीय वर्ष)

सत्रीय कार्य : 2025–2026

पाठ्यक्रम शीर्षक

एम.एस.डब्ल्यू–012 : जीवन की विशेषताओं और चुनौतियों का परिचय
एम.एस.डब्ल्यू–013 : परामर्श के मनोवैज्ञानिक आधार का परिचय
एम.एस.डब्ल्यू–014 : परामर्श में सामाजिक वैयक्तिक कार्य की प्रासंगिकता
एम.एस.डब्ल्यू.–015: परामर्श के मूल तत्व
एम.एस.डब्ल्यू.–016: परामर्श के क्षेत्र

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य जमा कराने की अन्तिम तारीखः
जुलाई,2025 सत्र –31 मार्च,2026
जनवरी,2026 सत्र –30 सितम्बर,2026

इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

समाज कार्य विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

प्रिय शिक्षार्थी,

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के समाज कार्य (परामर्श) में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (द्वितीय वर्ष)में आपका स्वागत है। आपने समाज कार्य में स्नातकोत्तर होने के लिए यह कार्यक्रम एक उद्देश्य के साथ चुना है ताकि आप मानवजाति की सामाजिक दशाएं सुधार सकें।समाज कार्य (परामर्श) कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए, कृपया निम्नलिखित बातों का पालन करें:

अपना अध्ययन आरंभ करने से पहले कार्यक्रम दर्शिका को पढ़िए। इससे इग्नू के समाज कार्य (परामर्श)कार्यक्रम का अध्ययन करने के बारे में आपके अधिकतर संदेह दूर हो जाएंगे।

- आप अपने सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में समय पर जमा कराएं।
- अपने अध्ययन केंद्र और क्षेत्रीय केंद्र के संपर्क में रहें।
- क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षण के लिए अध्ययन केंद्र में अपने क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक से मिलें।
  परीक्षा फार्म समय पर भरें।

सत्रीय कार्य एक खुली किताब है और हम इग्नू में प्रत्येक पाठ्यक्रम के समग्र ग्रेड की गणना करते समय सत्रीय कार्यों के लिए30% भारित देते हैं।**सत्रीय कार्य हस्तलिखित और स्वहस्ताक्षरित होने चाहिए।** सत्रीय कार्य–प्रतिक्रिया का एक अच्छा सेट तैयार करने के लिए आप उन सभी अध्यायों को पढ़े जिनमें से सवाल तैयार किए गए हैं। आप अपने सहकर्मी, शैक्षिक परामर्शदाताओं और प्रोफेसरों के साथ चर्चा करें, जिन्होंने आपको पढ़ाया है। मसौदा तैयार करें, उस पर आवश्यक सुधार करें और तब अंतिम संस्करण अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करने के लिए तैयार करें।

हर सवाल का जवाब देने के लिए नया पृष्ठ शुरू करें। लंबे और मध्यम जवाब देने के लिए एक परिचय, मुख्य भाग के लिए एक उप–शीर्षक और एक निष्कर्ष हो। प्रत्येक अनुच्छेद के बीच एक लाईन छोड़ें। आपके जवाब विशिष्ट हों और आपके अपने शब्दों में हो, यह किताब की नकल ना हो। आपके उत्तर इग्नू के पठन सामग्री पर आधारित हों। सत्रीय कार्य आपके सत्रांत परीक्षा की तैयारी है, इसलिए इसे गंभीरतापूर्वक लें।

डॉ. एन. रम्या

(कार्यक्रम समन्वयक)

परामर्श में सामाजिक वैयक्तिक कार्य की प्रासंगिकता
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–14
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) परिवार में विभिन्न प्रकार की समस्याओं को सूचीबद्ध करें। परिवार में समस्याओं के समाधान के लिए एक वैयक्तिक कार्यकर्ता द्वारा अपनाई जाने वाली रणनीतियाँ क्या हैं? 20

या

परामर्श सामाजिक वैयक्तिक कार्य अभ्यास में कैसे मूल्यवर्धन कर सकता है? प्रासंगिक उदाहरणों की सहायता से विस्तार से चर्चा करें। 20

2) सामाजिक वैयक्तिक कार्य में दस्तावेजीकरण और रिकॉर्डिंग के महत्व का वर्णन करें। 20

या

स्वास्थ्य देखभाल परिवेश में सामाजिक वैयक्तिक कार्य की व्याख्या करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं दो का उत्तर लगभग 300 शब्दों में दीजिए:
क) वैयक्तिक कार्य और परामर्श के बीच क्या समानताएँ हैं?। 10
ख) वैयक्तिक कार्य परामर्श की भूमिका को परिभाषित करें। 10
ग) निदान के विभिन्न चरणों को सूचीबद्ध करें। 10
घ) वैयक्तिक कार्य अभ्यास के क्षेत्रों की व्याख्या करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में दें:
क) सामाजिक वैयक्तिक कार्य प्रक्रिया के विभिन्न चरणों की व्याख्या करें। 5
ख) गोपनीयता के सिद्धांत की सीमाओं का उल्लेख कीजिए। 5
ग) वैयक्तिक कार्य में शामिल विभिन्न नैतिक मुद्दे क्या हैं? 5
घ) भारत में सामाजिक वैयक्तिक कार्य अभ्यास की प्रासंगिकता पर चर्चा कीजिए। 5
ङ) समाज कार्य में स्वीकृति के सिद्धांत से आप क्या समझते हैं? 5
च) परामर्श में सहानुभूति की आवश्यकता पर चर्चा करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पर लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:
क) अवलोकन 4
ख) वैयक्तिक कार्य अभ्यास का स्वदेशीकरण 4
ग) सामुदायिक वैयक्तिक कार्य 4
घ) व्यावसायिकता 4
ङ) पारिवारिक परामर्श 4
च) गैर–निर्णयात्मक रवैया 4
छ) संकट परामर्श 4
ज) सक्रिय श्रवण 4